Nagaland University

(*A Central University established by the act of Parliament, 35/1989*)

Department of Hindi

Kohima Campus, Meriema, Kohima-797004

MA (Hindi) (NEP) 1YR Syllabus- 2025

1st Semester

PAPER CODE	COURSES	TYPES OF COURSES	CREDITS	CONTACT HOURS	Internal	External	MARKS
MAHin-01	पाश्चात्य साहित्यालोचन एवं हिंदी आलोचना	**CORE**	**4**	**60**	**40**	**60**	**100**
MAHin-02	हिन्दी गद्य विविध विधाएं	**CORE**	**4**	**60**	**40**	**60**	**100**
MAHin-03	भक्तिकालीन काव्य	**CORE**	**4**	**60**	**40**	**60**	**100**
MAHin-04	आधुनिक कविता (छायावादोत्तर कविता)	**CORE**	**4**	**60**	**40**	**60**	**100**

MAHin-05	वैकल्पिक विषय (1)कबीर (2)प्रेमचंद	**CORE**	**4**	**60**	**40**	**60**	**100**

2nd Semester **Dissertation Writing & Submission: 20 CREDITS: 500marks: Dissertation Submission: 300 marks, Viva voce: 200 marks**

PAPER CODE	**COURSES**	**TYPES OF COURSES**	**CREDITS**	**CONTACT HOURS**	**Internal**	**External**	**MARKS**
MAHin- 6	**लघु शोध प्रबंध /Dissertation Writing**	**CORE**	**20**	**300**	**200**	**300**	**500**
Unit I	**शोध सारांश और प्रस्तुति**	**CORE**	**4**	**60**	**40**	**60**	**100**
Unit II	**क्षेत्र कार्य और डेटा संग्रह**	**CORE**	**4**	**60**	**40**	**60**	**100**
Unit III	**अध्याय लेखन**	**CORE**	**4**	**60**	**40**	**60**	**100**
Unit IV	**शोध प्रबंध प्रस्तुतीकरण**	**CORE**	**4**	**60**	**40**	**60**	**100**
Unit V	**मौखिक परीक्षा**	**CORE**	**4**	**60**	**40**	**60**	**100**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : एम. ए हिंदी के पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को हिंदी साहित्य, भाषा, और संस्कृति के गहन ज्ञान से परिचित कराना है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास, विभिन्न साहित्यिक विधाओं, और आलोचनात्मक दृष्टिकोणों से अवगत कराता है। साथ ही, यह उनकी शोध क्षमता और साहित्यिक विश्लेषण कौशल को विकसित करने में मदद करता है।

हिंदी साहित्य के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के मुख्य प्रतिफल (Complete Course Outcome) :

i. छात्रों को हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास, विकास और विभिन्न शैलियों का गहन ज्ञान प्राप्त होगा। उन्हें विभिन्न साहित्यिक आंदोलनों, लेखकों और उनकी रचनाओं की विस्तृत जानकारी मिलेगी।
ii. छात्र साहित्यिक ग्रंथों का विश्लेषण करने और उनकी आलोचना करने की क्षमता विकसित करेंगे। वे विभिन्न साहित्यिक सिद्धांतों और दृष्टिकोणों को समझने और लागू करने में सक्षम होंगे।
iii. छात्रों को स्वतंत्र अनुसंधान करने और शोध पत्र लिखने की क्षमता प्राप्त होगी। वे स्पष्ट, संक्षिप्त और प्रभावी ढंग से लिखने में सक्षम होंगे।
iv. साहित्य के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परंपरा की जानकारी प्राप्त होगी, जिससे विद्यार्थी राष्ट्र व उसके महत्व की ओर आकर्षित होंगे ।

v. हिन्दी भाषा और साहित्य के ज्ञान के उपरांत छात्र भारत में कहीं भी काम कर पाएंगे क्योंकि हिंदी हमारी राजभाषा होने के साथ-साथ अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रभाषा के रूप में भी समाहित है।

vi. हिन्दी उपन्यासों और जीवनियों के माध्यम से हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत को छात्र समझ सकते हैं तथा उसका मूल्यांकन कर सकते हैं। गद्य और पद्य के माध्यम से वे दैनंदिन जीवन में उपयोगी मूल्यों के महत्व को समझ सकते हैं, जिससे वे अधिक मानवीय बनेगें ।
vii. नाटकों को पढ़ने और देखने से वे अच्छे नाटककार और अच्छे अभिनेता बन सकते हैं। कबीर,जायसी, सूर, तुलसी एवं मीरा जैसे महत्वपूर्ण कवियों के अध्ययन से विद्यार्थियों के नैतिक और मानवीय मूल्य मजबूत होते हैं। सभी धर्मों और सभी जातियों के लिए सम्मान के साथ वे सद्भाव में रहना सीखते हैं।

viii. हिन्दी साहित्य के अंतर्गत विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अध्ययन से विद्यार्थियों की सृजनात्मकता में वृद्धि होती है। लेखन कौशल अवसरों के द्वार खोलता है।उन्हें कई व्यावसायिक अवसर भी प्राप्त हो सकयें हैं । जैसे - शिक्षण, पत्रकारिता, अनुवाद, लेखन, सरकारी नौकरियां आदि ।

ix. अनुवाद और जनसंचार से जुड़े पाठ्यक्रमों में रुचि रखने वाले विद्यार्थी आगे चलकर अनुवादक और मिडियाकर्मी के रूप में रोजगार पा सकते हैं।

x. नेट/स्लेट/पी. एच. डी जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर पाएंगे। साथ ही साथ हिंदी साहित्य के माध्यम से समाज को मजबूत करने के लिए नैतिक मूल्यों का विकास कर पाएंगे ।

SYLLABUS FOR ONE YEAR MASTER'S PROGRAMME IN HINDI (NEP)

<u>सत्र 1</u>

101. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिंदी आलोचना, COURSE CODE – MAHIN – 101
क्रेडिट - 4
पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objective) :

- पाश्चात्य एवं हिन्दी आलोचनात्मक चिंतन का सैद्धांतिक एवं ऐतिहासिक अवलोकन ।
- पाश्चात्य साहित्यालोचन की परंपरा एवं प्रमुख विद्वानों के सिद्धांत का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।
- हिन्दी साहित्यालोचन के सैद्धांतिक पक्ष एवं परंपरा का अवलोकन। प्रमुख प्रवृत्तियों एवं प्रमुख हिन्दी साहित्यालोचकों का विश्लेषणात्मक ज्ञान।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcome):

- पाश्चात्य एवं हिन्दी आलोचना के सैद्धांतिक पक्ष की समझ विकसित कर सकेंगे।
- पाश्चात्य एवं हिन्दी आलोचना के प्रमुख आलोचकों एवं सिद्धांतकारों की स्थापनाओं से परिचित हो सकेंगे।
- आलोचना के पारिभाषिक शब्दावली से परिचित हो सकेंगे जिससे आलोचनात्मक लेखन की ओर विद्यार्थी प्रवृत हो सकेंगे।

इकाई 1. पाश्चात्य साहित्यालोचन के विकास का सामान्य परिचय
प्लेटो : काव्य-दृष्टि

इकाई 2. अरस्तु : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत
लौन्जाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई 3. टी.एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा का सिद्धांत
आई.ए.रिचर्डस : सम्प्रेष्ण सिद्धांत

इकाई 4. हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियां- अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद, मार्क्सवाद

इकाई 5. रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्द दुलारे वाजपेयी, राम विलास शर्मा

अनुमोदित ग्रन्थ :-

नयी समीक्षा के प्रतिमान	निर्मला जैन, किताबघर प्रकाशन
मार्क्सवाद क्या है	यशपाल, लोक भारती प्रकाशन
आधुनिकतावाद और साहित्य	दुर्गा प्रसाद गुप्त, समसामयिक प्रकाशन
साहित्य चिंतन	देवेंद्र इस्सर
पाश्चात्य साहित्य चिंतन	निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
आज के जमाने में मार्क्सवाद का महत्व	एजाजअहमद
संरचना, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य-काव्यशास्त्र	गोपीचंद नारंग
मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	डॉ. शिवकुमार मिश्र
आधुनिक परिवेश और अस्तित्ववाद	शिवप्रसाद सिंह
अस्तित्ववाद और मानववाद	ज्यां पाल सार्त्र
आधुनिकतावाद	दुर्गा प्रसाद गुप्त
उत्तर-संरचनावाद और उत्तर-आधुनिकता	सुधीश पचौरी
साहित्य सिद्धांत	रेनवेलेक, ऑस्टिनवारेन
उत्तर-आधुनिकता : विभ्रम और यथार्थ	रवि श्रीवास्तव
आधुनिकतावाद और यथार्थवाद	दुर्गा प्रसाद गुप्त

102. हिंदी गद्य – विविध विधाएँ, COURSE CODE – MAHIN – 102, क्रेडिट - 4

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objective) :

- हिन्दी गद्य की विविध विधाओं एवं इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- हिन्दी गद्य की विविध विधाओं के रचनाकारों उनकी कृतियों का विशिष्ट ज्ञान।
- हिन्दी गद्य कि विविध विधाओं के भाषिक एवं शिल्पगतवैशिष्ट्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcome):

- हिन्दी साहित्य अंतर्गत विविध गद्य विधाओं की प्रमुख रचनाकारों एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- विविध विधाओं की जानकारी हासिल कर विद्यार्थीगण अपने सृजनात्मक लेखन कौशल का विकास कर पाएंगे।

इकाई 1. रिपोर्ताज और व्यंग्य का सामान्य परिचय और इतिहास
इकाई 2. रेखाचित्र और संस्मरण का सामान्य परिचय और इतिहास
इकाई 3. पत्र-साहित्य और आत्मकथा का समान्य परिचय और इतिहास
इकाई 4. जीवनी और यात्रा-वृतांत का सामान्य परिचय और इतिहास
इकाई 5. डायरी और निबंध का सामान्य परिचय और इतिहास

अनुमोदित ग्रन्थ :-

आधुनिक साहित्य का इतिहास	बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन

हिंदी का गद्य साहित्य	रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
आधुनिक साहित्य	नन्द दुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन
हिंदी गद्य का उद्भव और विकास	विजयेन्द्र स्नातक
साहित्य में गद्य की नयी विविध विधाएँ	कैलाशचंदभाटिया
आधुनिक साहित्य का इतिहास	बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन
काव्य के रूप	गुलाब राय
आधुनिक गद्य की विधाएँ	उदयभानु सिंह
साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार	हरिमोहन
भारतीय समीक्षा सिद्धांत	सूर्यनारायणद्विवेद
आधुनिक हिंदी साहित्य	लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

103: भक्तिकालीन काव्य, COURSE CODE – MAHIN – 103, क्रेडिट - 4

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objective) :

- हिन्दी साहित्य के मध्यकालीन इतिहास एवं काव्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- प्रमुख मध्यकालीन कवियों- कबीर, जायसी, सूर, तुलसी और मीरा के काव्यात्मक अवदान एवं महत्व का अध्ययन।
- कबीर, जायसी, सूर, तुलसी और मीरा के काव्य साहित्य का अध्ययन।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcome):

- हिन्दी साहित्य के मध्यकालीन काव्य का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा।
- इन कवियों के हवाले से भक्ति की विभिन्न धाराओं की काव्यगत विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त होगा।
- प्रमुख कवियों के काव्य के भाषा एवं शिल्पगत विशेषताओं का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई 1. कबीरदास

पद –

हमारे गुरु दीन्ही अजब जरी
दुलहिनी गावहु मंगलाचार
संतो ई मुर्दन के गाँव
हम न मरिहैंमरिहैंसंसारा

साखियाँ :

सतगुरु मेरा सुरिवाँ
जाके मुंह माथा नहीं
पानी ही ते हिम भया

इकाई 2. जायसी

मानसरोवर खंड (जायसी ग्रंथावली, सं. रामचंद्र शुक्ल)

इकाई 3. सूरदास

अविगत गति कछुकहत न आवै

बुझत श्याम कौन तू गोरी
आये जोग सिखावनपाण्डेय
अंखिया हरि दर्शन की भूखीं

इकाई 4. तुलसीदास :
अयोध्याकांड (रामचरितमानस)
चलतप्यादें खात फल....से लेकर सैल सभा निरखि (छन्द 222 से 236 तक)

इकाई 5. मीराबाई
बसो मेरे नैनन में नंदलाल
नहीं सुख भावे थारो देसलडोरंगरुडो
पग बाँध घुंघयांणच्यांरी

अनुमोदित ग्रन्थ :

मध्यकालीन बोध का स्वरुप	हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
सूरदास	रामचंद्र शुक्ल, नमन प्रकाशन
भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य	मेनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन
तुलसी	रामचंद्र शुक्ल
तुलसी	उदयभानु सिंह
कबीर	हजारी प्रसाद द्विवेदी
जायसी	विजयदेव नारायण शाही
जायसी	सं. सदानंद साही

- पद्मावत का मूल्यांकन डॉ. जगदीश श्रीवास्तव

सूफी मत : साधना और साहित्य	रामपूजन तिवारी
हिंदी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति	श्यामसुंदर शुक्ल
अकथ कहानी प्रेम की	पुरुषोत्तम अग्रवाल
मीरा का काव्य	विश्वनाथ त्रिपाठी

104.आधुनिक कविता (छायावादोत्तर कविता), COURSE CODE – MAHIN – 104, क्रेडिट - 4

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objective) :

- आधुनिक कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- आधुनिक कविता के विभिन्न धाराओं एवं उनकी विशेषताओं बारे में ज्ञान प्रदान करना।
- आधुनिक कविता के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं विश्लेषणात्मक ज्ञान।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcome):

- आधुनिक कविता के सैद्धांतिक एवं ऐतिहासिक समझ को विकसित कर सकेंगे।
- आधुनिक कविता के विभिन्न धाराओं, प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं के बारे मे जान सकेंगे तथा उनके महत्व को रेखांकित कर सकेंगे।

इकाई 1. परिचय

रामधारी सिंह 'दिनकर' : तृतीयसर्ग, रश्मिरथी

इकाई 2. नागार्जुन : अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा, सिंदुरतिलकित भाल
केदारनाथ अग्रवाल : ये धरती है उस किसान की, कल कमीज में बटन नहीं थे
मजदूर का जन्म

इकाई 3. अज्ञेय : यह दीप अकेला, बावरा अहेरी और नदी के द्वीप
शमशेर : लौट आ ओ धार, घिर गया है समय का रथ, एक पीली शाम और टूटी हुई बिखरी हुई

इकाई 4. मुक्तिबोध : भूल-गलती, मुझे कदम-कदम पर और ब्रम्हराक्षस
रघुवीर सहाय : रामदास, मुझे कुछ और करना था, अधिनायक, नेता क्षमा करें

इकाई 5. धूमिल : मोचीराम, रोटी और संसद औपटकथा
दुष्यंत : साये में धूप से कुछ चुनिन्दा ग़ज़लें

अनुमोदित ग्रन्थ-:

नयी कविता और अस्तित्ववाद	रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
कविता के नए प्रतिमान	नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां	नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन
तारसप्तक की भूमिका	अज्ञेय
छायावादोत्तर हिंदी कविता की प्रवृत्तियां	त्रिलोचन पांडेय
विपक्ष का कवि धूमिल	राहुल
मुक्तिबोध की कविताई	अशोक चक्रधर
अज्ञेय : कवि और काव्य	राजेंद्र प्रसाद
त्रिलोचन के बारे में	सं. गोबिंद प्रसाद
केदारनाथ सिंह : बिम्ब से आख्यान तक	गोबिंद प्रसाद
समकालीन कविता	विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी
हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	नंददुलारे वाजपेयी
आधुनिक हिंदी साहित्य	नंददुलारे वाजपेयी

105. वैकल्पिक विषय, COURSE CODE – MAHIN – 105 , क्रेडिट - 4

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objective) :

- कालखंड से इतर, हिन्दी साहित्य के प्रमुख व्यक्तित्वों-कवियों एवं उपन्यासकार के साहित्य का गहन एवं विस्तृत विश्लेषणात्मक ज्ञान।

- कबीर के विभिन्न रूपों जैसे युग प्रवर्तक साहित्यकार, संत, आलोचक, विद्वान, समाज-वैज्ञानिक एवं धार्मिक विचारक आदि का ज्ञान प्रदान करना ।
- प्रेमचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व के विस्तृत फलक को प्रस्तुत करना तथा उनके महत्व का विश्लेषणात्मक ज्ञान।

105 . (1) कबीर

इकाई 1. निर्गुण भक्ति काव्य की पूर्वपीठिका
कबीर का व्यक्तित्व और कृतित्व
संत काव्य परम्परा में कबीर का वैशिष्ट्य
कबीर के निर्गुण ब्रह्म का स्वरुप

इकाई 2. कबीर के काव्य का भाव पक्ष :
कबीर की भक्तिभावना
कबीर की रहस्य साधना
कबीर की दार्शनिक चेतना
कबीर के राम और तुलसी के राम

इकाई 3. कबीर की भाषा – कबीर का अभिव्यंजना पक्ष, अप्रस्तुत विधान एवं काव्य-रूप

इकाई 4. साखी : संख्या 1 से 50 तक
निर्धारित पाठ्यपुस्तक : 'कबीर ग्रंथावली'सम्पादक श्यामसुंदर दास

इकाई 5. दुलहिनीगावहु मंगलाचार
एक अचम्भा देखा रे भाई
हम न मरे मरिहैसंसारा
हरि जननी मैं बालक तोरा
काहे री नलंनीं तू कमलिनी
संतो धोखा कासु कहिये
मन रे तन कागद का पुतरा
लोका मति के भोरा रे
इब न रहूँ माटी के घर में
मेरा तेरा मनुआं कैसे एक होई रे

अनुमोदित ग्रन्थ :-

कबीर ग्रंथावली	सं. श्यामसुंदर दास , साहित्य सरोवर
कबीर	हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
संत कबीर	रामकुमार वर्मा, साहित्य मदन लिमिटेड
कबीर की खोज	सं. राजकिशोर
कबीर : बाज भी, कपोत भी, पपीहा भी	डॉ. धर्मवीर
कबीर के सबद	डॉ. शुकदेव सिंह

भये कबीर कबीर	डॉ. शुकदेव सिंह
अकथ कहानी प्रेम की	पुरुषोत्तम अग्रवाल
कबीर	सं विजेंद्र स्नातक

105. (2) प्रेमचंद **क्रेडिट- 4**

इकाई 1. उपन्यास :

1. सेवासदन 2. कर्मभूमि

इकाई 2. निर्धारित उपन्यास :

1. निर्मला 2.रंगभूमि

इकाई 3. निर्धारित कहानियाँ

ईदगाह, मंत्र, नशा, बड़े भाई साहब, पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, सद्गति
प्रस्तावित कहानी संग्रह : 'शतरंज के खिलाड़ी', सं. नन्दकिशोर आचार्य,
वाग्देवी प्रकाशन,बीकानेर

इकाई 4. निर्धारित कहानियाँ

सवा सेर गेंहू, बड़े घर की बेटी, पंच परमेश्वर,बूढी काकी, नमक का दारोगा, परीक्षा,कफ़न

इकाई 5. नाटक और अन्य विचार :

नाटक – कर्बला
निबंध - साहित्य का उद्देश्य
उपन्यास - महाजनी सभ्यता
राष्ट्रभाषा हिंदी और उसकी समस्याएँ

अनुमोदित ग्रन्थ :-

सेवा सदन	प्रेमचंद, प्रभात प्रकाशन
कर्मभूमि	प्रेमचंद, कमल प्रकाशन
प्रेमचंद : घर में	शिवरानी देवी, नयी किताब प्रकाशन
प्रेमचंद – एक विवेचन	इंद्रनाथमदान
प्रेमचंद और उनका युग	रामविलास शर्मा
प्रेमचंद : कलम का सिपाही	अमृत राय
प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन	नन्द दुलारे वाजपेयी
प्रेमचंद : एक अध्ययन	राजेश्वर गुरु
प्रेमचंद: जीवन, कला और कृतित्व	हंसराज रहबर

सत्र -2

201. लघु शोध प्रबंध / Dissertation COURSE CODE – MAHIN – 204, क्रेडिट – 20

इकाई 1. शोध सारांश और प्रस्तुति

इकाई 2. क्षेत्र कार्य और डेटा संग्रह

इकाई 3. अध्याय लेखन

इकाई 4. शोध प्रबंध प्रस्तुतीकरण

इकाई 5. मौखिक परीक्षा